प्रशिक्षण कार्यक्रम रिपोर्ट

4 days "Improvement in Police Behaviour"

दिनांक **07-02-2022 से 10-02-2022**

राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर।

राजस्थान पुलिस अकादमी में दिनांक 07-02-2022 से 10-02-2022 तक "**Improvement in Police Behaviour**" विषय पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम लेक्चर थियेटर में आयोजित किया गया। राजस्थान पुलिस अकादमी के उप महानिरीक्षक पुलिस श्री कैलाश चन्द्र जाट, अतिरिक्त निदेशक के निर्देशन में प्रबुद्ध वक्ताओं को व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राजस्थान के विभिन्न जिलों से 25 प्रतिभागियों जिसमें- 03 पुलिस निरीक्षक, 22 उप निरीक्षक ने भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिन 10:00-10:30 AM तक पंजीकरण एवं कोर्स निदेशक द्वारा कोर्स का परिचय करवाया गया। प्रथम सत्र में श्री संदीप सारस्वत, उप अधीक्षक पुलिस, आरपीए जयपुर ने प्रतिभागियों को पाठ्यक्रम की ब्रीफिंग पुलिस प्रतिक्रिया पर भूमिका निभाने का अभ्यास, टीमों का गठन के बारे में विस्तार से बताया। द्वितीय सत्र में श्रीमती सुनिता मीणा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, पुलिस आयुक्तालय, जयपुर ने पुलिस अधिकारियों के लिए संचार कौशल के बारे में विस्तृत रूप से बताया। तृतीय सत्र में श्री कैलाश चन्द्र जाट, उप महानिरीक्षक पुलिस, आरपीए, जयपुर ने रोल प्ले, अवलोकन, चर्चा और निष्कर्ष देखना के बारे में व्याख्यान दिया।

द्वितीय दिन के प्रथम सत्र में श्री जी एल शर्मा, आईजी (सेवानिवृत्त) ने पुलिस व्यवहार और मानवाधिकार आदि पर विस्तार से बताया। द्वितीय सत्र में धीरज वर्मा, पुलिस निरीक्षक, आरपीए, जयपुर ने पुलिस व्यवहार- अपेक्षा और जमीनी हकीकत, बिना किसी दबाव के मुखर संचार पर व्याख्यान दिया। तृतीय में श्री सांगा राम जागिड., आईपीएस, महानिदेशक पुलिस (सेवानिवृत्त) तमिलनाडू ने कानून और व्यवस्था की समस्याओं में पुलिस का व्यवहार पर व्याख्यान दिया।

तृतीय दिन के प्रथम सत्र में श्री दिलीप सैनी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, डिस्कॉम, जयपुर ने पुलिस के व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारक-तनाव, कार्य की प्रकृति, जवाबदेही, कार्य जीवन संतुलन, लालच आदि के बारे में बताया। द्वितीय सत्र में श्री धन्ना राम, एडीजे, (सेवानिवृत्त) ने पुलिस और सार्वजनिक छवि: एक न्यायिक परिप्रेक्ष्य पर विस्तार से बताया। तृतीय सत्र में श्री अशोक गुप्ता, आईपीएस, उप महानिरीक्षक पुलिस, पीएनडब्ल्यू राजस्थान जयपुर ने सामाजिक ढांचा और पुलिस संगठनात्मक उप-संस्कृति और एक सेवा उन्मुख संगठन के रूप में पुलिस को तैयार करने की आवश्यकता-अंतर्विरोधों का समाधान पर विस्तार से बताया।

चतुर्थ दिन के प्रथम सत्र में श्री गोविन्द पारीक, अतिरिक्त निदेशक, पीआर, जयपुर ने मीडिया का प्रबंधन और जनमत का निर्माण के बारे में विस्तार से बताया। द्वितीय सत्र में श्रीमती सीमा हिंगोनिया, सहायक निदेशक (SIC) आरपीए जयपुर ने पुलिस कर्मियों में तनाव कम करने के लिए खुश रहने के बारे में विस्तार से बताया।

नवाचार :- चतुर्थ दिवस पर अंतिम सत्र में प्रतिभागियो का प्रश्न पत्र के माध्यम से उनकी चतुर्थ दिवसीय प्रशिक्षण की परीक्षा ली गई एंव जानकारी प्राप्त की गई चतुर्थ दिवस में प्रतिभागियों द्वारा कोर्स के माध्यम से कितना सीखा या नही सीखा, साथ ही प्रत्येक कांलाश में प्रतिभागियों की उपस्थिति, अनुशासन, परस्पर क्रिया एवं सक्रियता की जांच हेतु प्रत्येक अतिथि वक्ता के माध्यम से फीडबैक भी प्राप्त किया गया। दोनो ही कार्यों से प्रतिभागियों की उपस्थिति, अनुशासन के साथ ही सीखने की प्रवृति मे सुधार दृष्टिगत हुआ।

हस्ताक्षर
सहायक कोर्स निदेशक